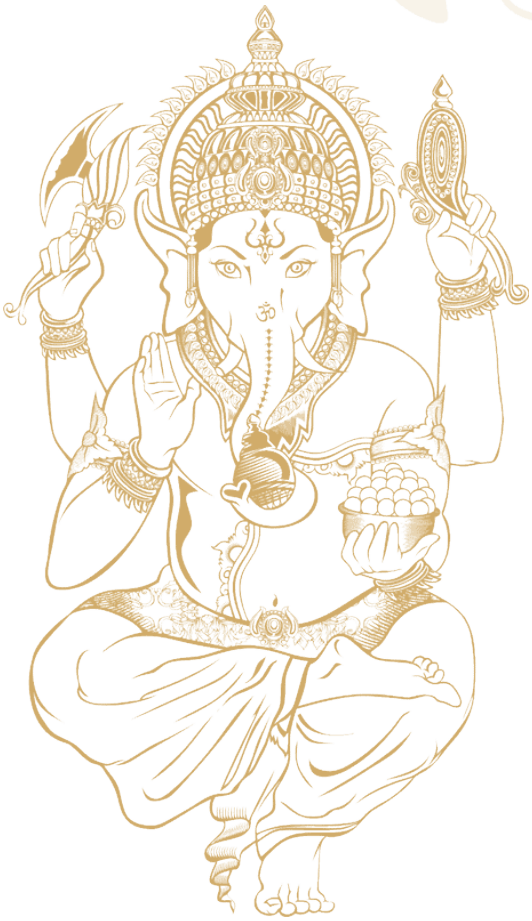

# Mr.nikhil

# Ms.manshi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119916401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119916401 Date: 28/10/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 05/03/1997 | जन्म तिथि | 30/08/1998 |
| बुधवार | दिन | रविवार |
| घंटे 22:50:00 | जन्म समय | 21:09:00 घंटे |
| घटी 40:11:12 | जन्म समय(घटी) | 37:59:24 घटी |
| India | देश | India |
| Bilaspur | स्थान | Una |
| 31:18:00 उत्तर | अक्षांश | 31:28:00 उत्तर |
| 76:48:00 पूर्व | रेखांश | 76:19:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:22:48 | स्थानिक संस्कार | -00:24:44 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:45:31 | सूर्योदय | 05:59:01 |
| 18:23:35 | सूर्यास्त | 18:51:17 |
| 23:49:04 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:10 |
| तुला | लग्न | मेष |
| शुक्र | लग्न लग्नाधिपति | मंगल |
| मकर | राशि | वृश्चिक |
| शनि | राशि-स्वामी | मंगल |
| उत्तराषाढ़ा | नक्षत्र | ज्येष्ठा |
| सूर्य | नक्षत्र स्वामी | बुध |
| 3 | चरण | 1 |
| वरियान | योग | विष्कुम्भ |
| कौलव | करण | बव |
| जा-जामवंत | जन्म नामाक्षर | नो-नोनी |
| मीन | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कन्या |
| वैश्य | वर्ण | विप्र |
| जलचर | वश्य | कीटक |
| नकुल | योनि | मृग |
| मनुष्य | गण | राक्षस |
| अन्त्य | नाड़ी | आद्य |
| सिंह | वर्ग | सर्प |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 2वर्ष 5मा 4दि | | 19:04:40 | तुला | लग्न | मेष | 04:40:25 | बुध 15वर्ष 1मा 4दि | |
| राहु | | 21:21:37 | कुंभ | सूर्य | सिंह | 13:13:49 | शुक्र | |
| 09/08/2016 | | 04:36:16 | मक | चंद्र | वृश्चि | 18:09:34 | 04/10/2020 | |
| 09/08/2034 | | 07:15:38 | कन्या व | मंगल | कर्क | 12:28:55 | 04/10/2040 | |
| राहु | 22/04/2019 | 16:06:31 | कुंभ | बुध | कर्क | 25:05:23 | शुक्र | 04/02/2024 |
| गुरु | 14/09/2021 | 16:00:15 | मक | गुरु व | मीन | 01:20:24 | सूर्य | 03/02/2025 |
| शनि | 21/07/2024 | 14:22:05 | कुंभ | शुक्र | कर्क | 27:20:08 | चन्द्र | 05/10/2026 |
| बुध | 08/02/2027 | 13:19:10 | मीन | शनि व | मेष | 09:35:58 | मंगल | 05/12/2027 |
| केतु | 26/02/2028 | 04:57:13 | कन्या व | राहु व | सिंह | 07:36:20 | राहु | 05/12/2030 |
| शुक्र | 26/02/2031 | 04:57:13 | मीन व | केतु व | कुंभ | 07:36:20 | गुरु | 05/08/2033 |
| सूर्य | 21/01/2032 | 13:02:04 | मक | हर्ष व | मक | 15:53:35 | शनि | 04/10/2036 |
| चन्द्र | 22/07/2033 | 05:16:27 | मक | नेप व | मक | 06:00:00 | बुध | 05/08/2039 |
| मंगल | 09/08/2034 | 11:46:57 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 11:31:03 | केतु | 04/10/2040 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:49:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:10**

## लग्न-चलित

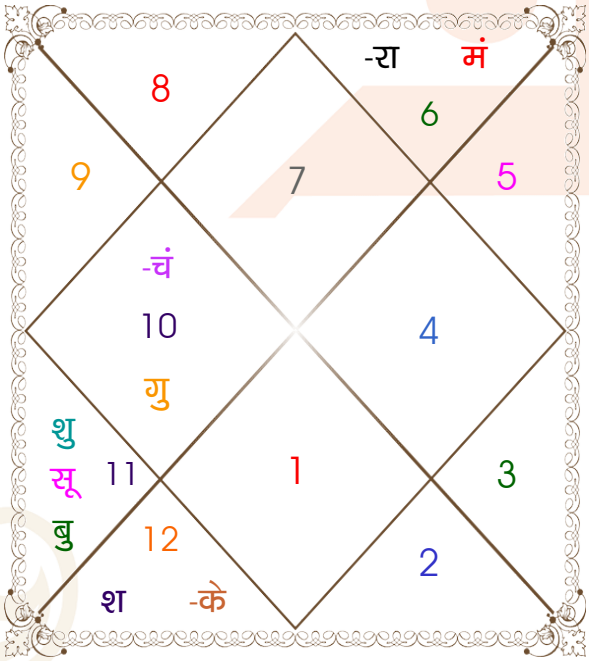


## लग्न-चलित

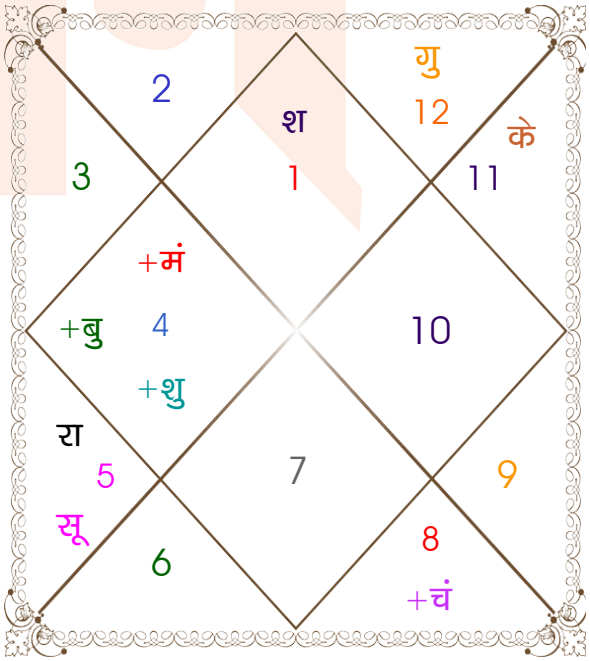

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | कीटक | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | नकुल | मृग | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | मंगल | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 20.00 | | |

कुल : **20 / 36**

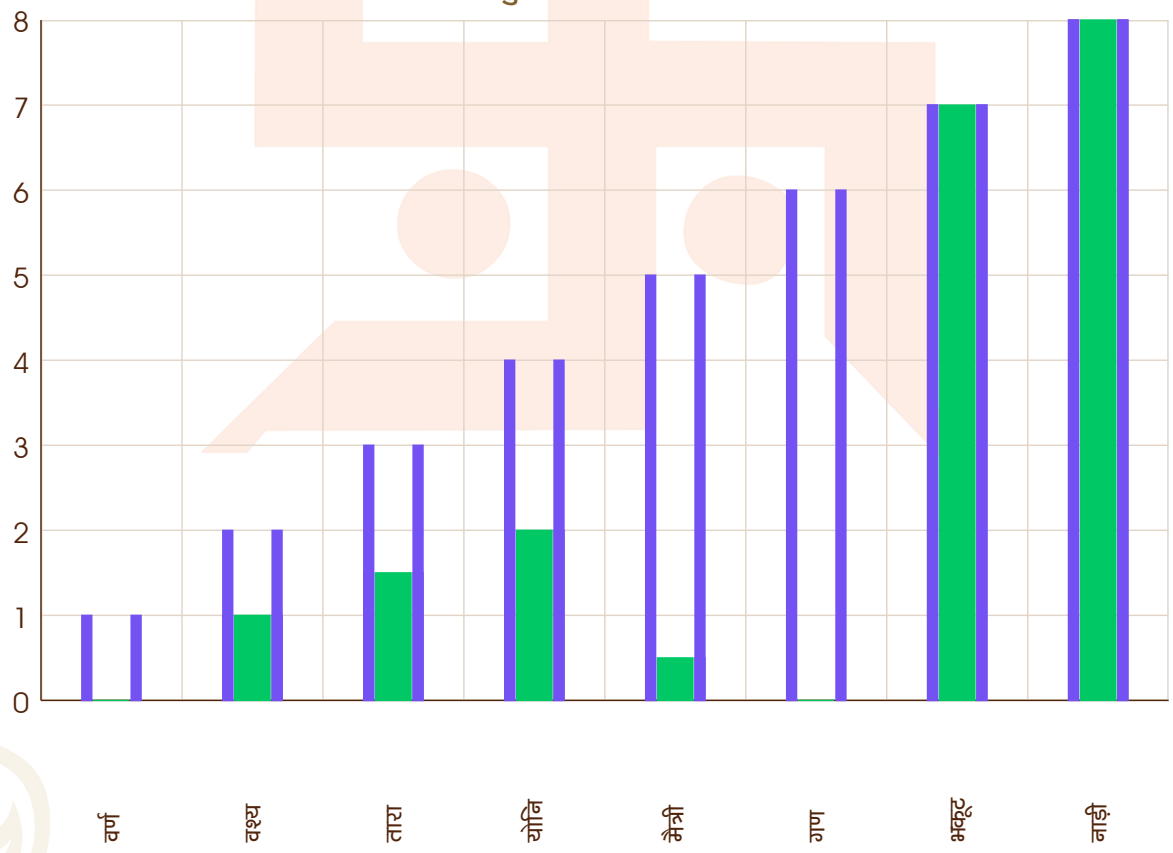

# अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Mr.nikhil का वर्ग सिंह है तथा Ms.manshi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.nikhil और Ms.manshi का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr.nikhil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.nikhil कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.nikhil कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.manshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।**
**कुजदोषो न विद्यते।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.manshi कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्;थ्डत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Ms.manshi कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.nikhil कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.nikhil तथा Ms.manshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Mr.nikhil का वर्ण वैश्य है तथा Ms.manshi का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.manshi का वर्ण Mr.nikhil के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms.manshi अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms.manshi को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

## वश्य

Mr.nikhil का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.manshi का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए Mr.nikhil चतुष्पद एवं Ms.manshi कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

Mr.nikhil की तारा क्षेम तथा Ms.manshi की तारा वध है। Ms.manshi की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.nikhil एवं Ms.manshi दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.manshi अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

## योनि

Mr.nikhil की योनि नकुल है तथा Ms.manshi की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.nikhil का राशि स्वामी Ms.manshi के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.manshi का राशि स्वामी Mr.nikhil के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

## गण

Mr.nikhil का गण मनुष्य तथा Ms.manshi का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.manshi का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.nikhil एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

## भकूट

Mr.nikhil से Ms.manshi की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ms.manshi से Mr.nikhil की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.nikhil परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ms.manshi हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त

रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

## नाड़ी

Mr.nikhil की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.manshi की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Mr.nikhil की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.manshi की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Mr.nikhil की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Ms.manshi की राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। पृथ्वी एवं जलतत्व में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानता विद्यमान रहेगी तथा आपसी संबंध भी मधुर होंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः यह मिलान सामान्यतया अनुकूल ही रहेगा ।

Mr.nikhil की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.manshi की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम तथा शत्रु राशियों में स्थित है। सुखद वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रहस्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। इसके प्रभाव से दोनों के मध्य मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देकर आपस में कटुता तथा तनाव उत्पन करेंगे। साथ ही एक दूसरे को सुख दुख में विशेष सहयोग प्रदान नहीं करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा।

Mr.nikhil और Ms.manshi की राशियां परस्पर एकादश तथा तृतीय भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। साथ ही मन में एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देने में को तत्पर रहेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में पूर्णतया अनुकूलता आएगी तथा जीवन में सुखद क्षणों की अनुभूति करने में समर्थ रहेंगे।

Mr.nikhil का वश्य जलचर तथा Ms.manshi का वश्य कीट है। जलचर तथा कीट में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्कताएं अनुकूल रहेंगी। फलतः कामसंबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे ।

Mr.nikhil का वर्ण वैश्य तथा Ms.manshi का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Mr.nikhil की प्रवृति धनार्जन संबंधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Ms.manshi का ध्यान शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यकलपों में रहेगा।

## धन

Mr.nikhil और Ms.manshi की तारा परस्पर सम है। अतः उनकी आर्थिक स्थिति पर इसका कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में वे तत्पर रहेंगे। Mr.nikhil और Ms.manshi की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह भकूट आर्थिक सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता की दृष्टि से शुभ माना जाता है। अतः इससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी लेकिन मंगल का Ms.manshi की आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे यदा कदा वे इससे किंचित असुविधा की अनुभूति कर सकते हैं।

मंगल के प्रभाव से यद्यपि Mr.nikhil की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी परन्तु अपने परिश्रम एवं ईमानदारी से धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करके सुख पूर्वक उनका उपभोग करेंगे।

## स्वास्थ्य

Mr.nikhil अन्त्य तथा Ms.manshi आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल का Mr.nikhil और Ms.manshi दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से Ms.manshi गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही Mr.nikhil को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Mr.nikhil और Ms.manshi दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.nikhil और Ms.manshi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.manshi के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.manshi को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.nikhil और Ms.manshi बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.nikhil और Ms.manshi का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Ms.manshi के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.manshi के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.manshi अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.manshi के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

Mr.nikhil के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Mr.nikhil अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Mr.nikhil का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Mr.nikhil का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Mr.nikhil तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Mr.nikhil के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।